8. आचार्य कुन्तक के वक्रोक्तिजीवितम् पर टिप्पणी कीजिए।

9. काव्यशास्त्र में आचार्य राजशेखर के अवदान की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. काव्यप्रकाश में वर्णित अभिधामूलकव्यंजना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11. आचार्य मम्मट प्रतिपादित रसस्वरूप का सविस्तार विवेचन कीजिए।

12. आचार्य आनन्दवर्द्धन के ध्वनिसिद्धान्त की समीक्षा करते हुए ध्वनि के प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

13. आचार्य कुन्तक प्रणीत वक्रोक्ति सिद्धान्त के उद्भव और विकास का उल्लेख करते हुए षड्वक्रताओं का विवेचन कीजिए।

MASA-07

June – Examination 2024

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(साहित्यशास्त्र)

Paper : MASA-07

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) काव्य का कोई एक प्रयोजन लिखिए।

   (ii) वाच्यार्थ की अपेक्षा व्यंग्यार्थ में अधिक चमत्कार होने पर कौनसा काव्य होता है ?

(iii) किन्हीं **चार** पददोषों के नाम लिखिए।

(iv) आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यगुण किसके अंगी धर्म होते हैं ?

(v) ध्वन्यालोककार ने किनके मन की प्रसन्नता हेतु काव्यस्वरूप का प्रतिपादन किया है ?

(vi) रसध्वनि के विषय में भट्टनायक का मत किस नाम से जाना जाता है ?

(vii) वक्रोक्तिजीवितम् में कुल कितने उन्मेष हैं ?

(viii) काव्यमीमांसा ग्रन्थ के प्रणेता कौन हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(i) नियतिकृतनियमरहितां ह्लादैकमयीमनन्यपरतन्त्राम्।
नवरसरुचिरां निर्मिमादधती भारती कवेर्जयति॥

अथवा

(ii) 'ये रसस्यांगिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।
उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो गुणाः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या संस्कृत में कीजिए :

(i) काव्यस्यात्मा स एवार्थस्तथा चादिकवेः पुरा।
क्रौञ्चद्वन्द्ववियोगोत्थः शोकः श्लोकत्वमागतः॥

अथवा

(ii) आलोकार्थी यथा दीपशिखायां यत्नवांजनः।
तदुपायतया तद्वदर्थे वाच्ये तदादृतः॥

4. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य स्वरूप का विवेचन कीजिए।

5. काव्यप्रकाश में वर्णित गुण-अलंकार भेद का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. ध्वनिविरोधी अभाववादी और भाक्तवादी मतों का वर्णन करते हुए ध्वनिकार द्वारा किए गए निराकरण का वर्णन कीजिए।

7. काव्यशास्त्र में आचार्य आनन्दवर्द्धन कृत ध्वन्यालोक पर समीक्षात्मक टिप्पणी कीजिए।